भजन

तर्ज–आपके पहलू में आकर रो दिए

खेल में ऐसे पिया हम खो गए
अन्जाने से आप क्यूं हो गए

1– झूठ को अपना के बैठै हम यहाँ
आपको देखा न हमने क्यूं पिया
ऐसे बेगाने से हम क्यूं हो गए

2– खोल खजाना आपने सब दे दिया
जितना कहना था पिया सब कह दिया
दोष हमारा ही है हम न ले रहे

3–खेल देखा अब तो ये जाता नहीं
छोड़ना भी चाहें तो यह छुटता नहीं
कैसी उलझन में पिया हम पड़ गए